>

Title: Need to constitue an all party committee comprising of Members of Parliament to determine the reasons behind incidents of suicides by farmers in Madhya Pradesh.

**श्री सज्जन वर्मा (देवास):** अध्यक्ष महोदया, मध्य प्रदेश राज्य में किसानों द्वारा आत्महत्या की प्रवृत्ति कभी नहीं रही, लेकिन विगत पांच वर्षों में किसानों द्वारा विभिन्न कारणों से आत्महत्या करने के जो सरकारी आंकड़े आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। लगभग सात हजार किसानों ने आत्महत्या की है।

अध्यक्ष महोदया, मध्य प्रदेश में विगत दो महीनों में लगभग 42 किसानों ने आत्महत्या कर ली है। इसके जो कारण सामने आए हैं, उनमें प्रमुख कारण अधिक ठंड पड़ने से, पाला पड़ने से, गेहूं, चने व आलू की फसल का सम्पूर्ण नष्ट हो जाना है। साथ ही मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त प्राकृतिक आपदा राशि एवं केन्द्र सरकार द्वारा दी गई राहत राशि का पीड़ित किसानों को मुआवजे के रूप में नहीं बांटा जाना तथा एक प्रमुख कारण जो पीड़ित परिवारों से चर्चा के बाद उभर कर आया है, वह है सन् 2008 के मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव के समय भाजपा की सरकार ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में किसानों से वायदा किया था कि एक बार फिर हमारी सरकार बना दीजिए, हम सौ दिन में हर किसान का 50,000 रुपए तक का कर्जा माफ कर देंगे एवं किसानों को 18 घंटे बिजली देंगे तथा जितनी बिजली उतने दाम लेंगे। ये सारे वायदे मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने 27 महीने के बाद भी पूरे नहीं किए हैं। अब हालात ये हैं कि मुख्यमंत्री के विधान सभा क्षेत्र में विगत 15 दिन में दो किसानों ने आत्महत्या कर ली है। मध्य प्रदेश की गैर जवाबदार सरकार द्वारा आत्महत्या करने वाले किसानों को कहीं पागल बता रही है, वहीं फसल व पाले से नष्ट होने को किसानों का पाप बता रही है।

अत: मेरा केन्द्र से अनुरोध है कि ऐसे असत्य चुनावी घोषणा-पत्र एवं किसानों के साथ अन्याय करने वाली मध्य प्रदेश सरकार के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए एवं एक सर्वदलीय सांसदों की समिति बना कर, किन कारणों से किसान आत्महत्या कर रहे हैं, इसकी सघन जांच करवाने का कष्ट करें। धन्यवाद।

**श्री कमल किशोर कमांडो (बहराइच):** अध्यक्ष महोदया, उत्तर प्रदेश का बहराइच डिस्ट्रिक्ट सबसे गरीब है, उस इलाके में एक फॉर्म है, जहां लोगों की रोजी-रोटी चला करती थी, वह आज किसानों से छीना जा रहा है।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Mr. Kamal Kishor, your notice was given regarding recycling and controlling the disposal of e-wastes in the country in view of its hazardous effects on environment. यह पर्यावरण से संबंधित है। अत: आप बाद में बोलिएगा।